Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding situation arising out of soil erosion by Brahmaputra and other rivers particularly in Guwahati, Assam.

श्रीमती क्वीन ओझा (गौहाटी): अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए आग्रह करती हूं । ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों द्वारा हर साल कटाव के कारण लाखों लोगों को भूमिहीन और बेघर होना पड़ता है । असम में ब्रह्मपुत्र नदी के तट के इलाके जबरदस्त कटाव से प्रभावित हो रहे हैं । लगातार हो रहे कटाव से राज्य की करीब चार हजार वर्ग किलोमीटर भूमि का क्षरण हो चुका है और इससे करीब 2,500 गांवों में बसे 50 लाख से ज्यादा लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं । एक अनुमान के मुताबिक राज्य में होने वाला यह भूक्षरण करीब 80 वर्ग किलोमीटर प्रतिवर्ष के हिसाब से बढ़ रहा है । इस मामले में राज्य के जल संसाधन विभाग ने 25 संवेदनशील और अति क्षरणीय स्थलों की पहचान की है । विभाग ने अनुमान लगाया है कि असम से लगने वाली ब्रह्मपुत्र नदी पर जारी कटाव से अभी तक लगभग 7.4 फीसदी भूमि का नुकसान हो चुका है । ऊपरी असम एवं डिब्रूगढ़ जिले के चाय बागान वाले क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं । नदी के तट से लगा हुआ डिब्रूसैखोवा राष्ट्रीय उद्यान का भी काफी क्षेत्र इससे प्रभावित है । अत: आपसे निवेदन है कि इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए कोई कार्य समूह को गठित किया जाए और एक अध्ययन कराकर जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करने हेतु संबंधित विभाग को निर्देश जारी किया जाए, जिससे आम जनता की इस गंभीर समस्या से निपटा जा सके ।